बी. ए. ऑनर्स संस्कृत पार्ट-2 परीक्षा 2019-2020

प्रश्नपत्र कूट संख्या - 2651

प्रथम प्रश्न पत्र - संस्कृत काव्य (गद्य एवं पद्य)

पाठ्यक्रम **100 अंक**

1. रघुवंशम् (13 वां सर्ग) - कालिदास।
2. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) - भारवि
3. शुकनासोपदेश: - बाणभट्ट

यह पाठ्यक्रम तीन खण्डों तथा पाँच इकाइयों में विभक्त है। इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है:-

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ -

प्रथम इकाई	-	रघुवंश का 13 वां सर्ग - श्लोक 1 से 40 तक ।
द्वितीय इकाई	-	रघुवंश का 13 वां सर्ग - श्लोक 41 से 79 तक ।
तृतीय इकाई	-	किरातार्जुनीय का प्रथम सर्ग - श्लोक 1 से 23 तक ।
चतुर्थ इकाई	-	किरातार्जुनीय का प्रथम सर्ग - श्लोक 24 से 46 तक।
पंचम इकाई	-	शुकनासोपदेश सम्पूर्ण ।

प्रश्न-पत्र का विस्तृत अंक विभाजन

प्रथम खण्ड 20 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल दस प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनके उत्तर अत्यंत संक्षेप में अपेक्षित हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं और ये समग्र पाठ्यपुस्तकों पर आधारित होंगे।

द्वितीय खण्ड 50 अंक

इस खंड के अन्तर्गत कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे जिनका शतप्रतिशत विकल्प उपलब्ध रहेगा। इनका विस्तृ त विवरण निम्न है -

क. रघुवंश के 13 वें सर्ग के 1 से 40 श्लोकों में से कोई दो श्लोक देकर एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाएगी। 10 अंक

ख. रघुवंश के 13 वें सर्ग के 41 से 79 तक के श्लोकों में से किन्हीं दो श्लोकों को देकर एक श्लोक की सप्रसंग संस्कृत व्याख्या पूछी जाएगी 10 अंक

ग. किरातार्जुनीय के प्रथम सर्ग के 1 से 23 श्लोकों में से कोई दो श्लोक देकर एक श्लोक की सप्रसंग व्याखा पूछी जाएगी। 10 अंक

घ. किरातार्जुनीय के प्रथम सर्ग के 24 से 46 श्लोकों में से कोई दो श्लोक देकर एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाएगी। 10 अंक

ङ. शुकनासोपदेश से कोई दो गद्यांश देकर एक की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाएगी। 10 अंक

तृतीय खण्ड - 30 अंक

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न पूछे जाएँगे। इनमें से प्रत्येक का विकल्प उपलब्ध रहेगा। इनका उत्तर लगभग 300 शब्दों में देना अपेक्षित है। इनका विस्तृत विवरण निम्न है -

प्रथम प्रश्न 15 अंक

इस प्रश्न का आधार निम्नलिखित विषय होंगे -

रघुवंश की विषयवस्तु, रघुवंश में कवित्व सम्बन्धी उत्कर्ष, कालिदास का संस्कृत साहित्य को योगदान, रघुवंश का संस्कृत महाकाव्यों में स्थान, कालिदास की भाषा-शैली की उत्कृष्टता, प्रकृति-चित्रण आदि।

द्वितीय प्रश्न का आधार निम्नलिखित बिन्दु होंगे - 15 अंक

भारवि का अर्थगौरव, किरातार्जुनीय की विषयवस्तु, दुर्योधन (सुयोधन) का चरित्र चित्रण, द्रौपदी का चरित्र-चित्रण, भारवि का राजनीति सम्बन्धी ज्ञान, भारवि की भाषा-शैली, भारवि का कवित्व, भारवि का संस्कृत साहित्य को योगदान। बाणभट्ट की गद्य शैली की विशेषताएँ, संस्कृत गद्य को बाणभट्ट का योगदान, संस्कृत गद्यकारों में बाणभट्ट का स्थान, बाणभट्ट का वैदुष्य, शुकनासोपदेश की विषयवस्तु, यौवनजन्य दोष, लक्ष्मी के दुर्गुण आदि।

सहायक पुस्तकें:-

1. शुकनासोपदेश - भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली
2. किरातार्जुनीयम् प्रथम सर्ग - अजमेरा बुक कम्पनी, जयपुर
3. महाकवि कालिदास - रमाशंकर तिवारी
4. कालिदास: एक अनुशीलन - देवदत्त शास्त्री
5. कालिदास और उनकी काव्यकला - बागीश्वर विद्यालंकार
6. संस्कृत कविदर्शन - डॉ. भोलाशंकर व्यास
7. कालिदास - वि.वि. मिराशी
8. संस्कृत साहित्य की रूपरेखा - पांडेय एवं व्यास
9. संस्कृत साहित्य का इतिहास - पं. बलदेव उपाध्याय
10. बाणभट्ट और उनकी कादम्बरी - महेशचन्द्र भारतीय
11. संस्कृत सुकवि समीक्षा - पं. बलदेव उपाध्याय

*****